मानव तस्करी रोकने के लिए जागरुकता जरूरी : असुंता

रांची, वरीय संवाददाता। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान असुंता लकड़ा ने एक्सआईएसएस में आयोजित एक राज्यस्तरीय सम्मेलन में कहा कि मानव तस्करी रोकने का समर्थन करने वाली सामाजिक गतिविधियों पर जोर दिया जाए।

उन्होंने कहा इसे रोकने के लिए जागरुकता जरूरी है। यह बहुत जरूरी है कि हर घर में पारिवारिक माहौल सुरक्षित हो। हर लड़की की रक्षा हो और उसे बड़े सपने देखने का मौका दिया जाए। सम्मेलन ग्रामीण प्रबंधन विभाग और सेव द चिल्ड्रन के सहयोग से मानव तस्करी के खिलाफ आयोजित किया गया था।

PRESS - HINDUSTAN

मानव तस्करी के खिलाफ सम्मेलन का आयोजन

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि • जागरण

जासं, रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआइएसएस) रांची में ग्रामीण प्रबंधन विभाग, सेव द चिल्ड्रन (बाल रक्षा भारत) एवं मार्निंग इंडिया के सहयोग से मानव तस्करी के खिलाफ एक राज्य-स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। 30 जुलाई व्यक्तियों के तस्करी के खिलाफ एक विश्व दिवस के रूप में चिह्नित है। इसी कार्यक्रम के तहत मानव तस्करी पीड़ितों की स्थिति के बारे में जागरूकता, सुरक्षा और उनके अधिकारो के बारे में वक्ताओं ने चर्चा की। डा प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस ने अवैध व्यापार के मुख्य कारकों के साथ-साथ तस्करी में प्रौद्योगिकी के प्रभाव के बारे में बात की।

PRESS - DAINIK JAGRAN

Round-Table discussion on World Day Against Trafficking in Person

PNS ■ RANCHI

A State Level Round-Table Discussion on World Day Against Trafficking in Persons, which is marked annually on 30 July, was conducted by Save the Children in collaboration with the Rural Management Programme of Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi here on Thursday. This year's theme for the day is "Use and Abuse of Technology," and a number of distinguished speakers were invited to talk on the topic to raise awareness about the condition of human trafficking victims, as well as to promote and safeguard their rights.

Dr Pradeep Kerketta, Assistant Director, XISS, Ranchi, talked about the core factors of trafficking as well as the impact that technology has played in enabling traffickers to spread further into rural and interior regions through enhanced communication and transportation systems. Further discussing child trafficking with an emphasis on Jharkhand, Mahadev Hansda from Save the Children appealed human trafficking is a massive violation of human rights and should not be tolerated.

Asunta Lakra, National Hockey player and former National Captain, spoke on the different social dynamics that support human trafficking and the necessity for awareness to stop it. It is very important that the family environment in every house should be safe and every girl needs to be protected and should be given the chance to dream big.

PRESS - PIONEER

State-level Round-Table discussion on World Day Against Trafficking in Person held

PC JHA

Former hockey player Asunta Lakra lights inaugural lamp at the function on Thursday.

RANCHI: A State Level Round-Table Discussion on World Day against Trafficking in Persons, which is marked annually on 30 July, was conducted by Save the Children in collaboration with the Rural Management Programme of Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, and the media partner Morning India in XISS Auditorium on Thursday.

This year's theme for the day is "Use and Abuse of Technology," and a number of distinguished speakers were invited to talk on the topic to raise awareness about the condition of human trafficking victims, as well as to promote and safeguard their rights.

Dr Pradeep Kerketta SJ, Assistant Director, XISS, Ranchi, opened the event with a welcoming message. He talked about the core factors of trafficking as well as the impact that technology has played in enabling traffickers to spread further into rural and interior regions through enhanced communication and transportation systems. Further discussing child trafficking with an emphasis on Jharkhand, Mahadev Hansda from Save the Children appealed human trafficking is a massive violation of human rights and should not be tolerated. Asunta Lakra, National Hockey player and former National Captain, spoke on the different social dynamies that support human trafficking and the necessity for awareness to stop it. It is very important that the family environment in every house should be safe and every girl needs to be protected and should be given the chance to dream big. The deputy editor of Morning India, Praveen Raman, further discussed the misuse of social media as a tool for human trafficking.

The programme followed with a panel discussion, which was chaired by Dr Anant Kumar, Head of Programme (HoP), Rural Management Programme. The panellists were Dr Rajshree Verma, Assistant Professor, RM, XISS along with Nidhi Dwivedi, IPS, SP, CID; Priti Srivastava, Child Protection Specialist, UNICEF, Jharkhand; Madhukar, Senior Journalist, DD Bharti, and Praveen Raman, Deputy Editor, Morning India.

Several topics subjects concerning the social, legal, and gender dimensions of human trafficking were also covered during the program. During the programme, the role of technology in both aspects, the dark side, which promotes trafficking, and the bright side, which can be used to control it, was discussed in detail. The Valedictory session was coordinated by Ms Soumi Halder, Manager-Campaigns & Communication, Save the Children.

PRESS - MORNING INDIA

मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय हुई चर्चा

तस्करी पीड़ितों की स्थिति के बारे में किया गया जागरूक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची के ग्रामीण प्रबंधन विभाग, सेव द चिल्ड्रन (बाल रक्षा भारत) एवं मीडिया पार्टनर मॉर्निंग इंडिया के सहयोग से मानव तस्करी के खिलाफ एक राज्य-स्तरीय सम्मलेन का आयोजन एक्सआईएसएस में गुरुवार को किया गया। बता दें की प्रति वर्ष 30 जुलाई, व्यक्तियों के तस्करी के खिलाफ एक विश्व दिवस के रूप में चिह्नित है और इसी कार्यक्रम के अंतर्गत मानव तस्करी पीड़ितों की स्थिति के बारे में जागरूकता,सुरक्षा और उनकी अधिकारों के बारे में विभिन्न प्रख्यात वक्ताओं ने चर्चा की। स्वागत नोट डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस, रांची द्वारा संबोधित किया गया था जहाँ उन्होंने अवैध व्यापार के मुख्य कारकों के साथ-साथ तस्करी में प्रौद्योगिकी के प्रभाव के बारे में बात की, जिससे ग्रामीण और आंतरिक क्षेत्रों में अवैध व्यापार करने वालों को मदद मिल रही है। झारखंड में तस्करी जैसे विषय पर जोर देते हुए साथ बाल तस्करी पर चर्चा करते हुए, श्री महादेव हांसदा, सेव द चिल्ड्रेन ,ने मानव तस्करी को मानव अधिकारों का एक बड़ा उल्लंघन बताया और कहा कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। सुश्री असुंता लाकड़ा, राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और पूर्व राष्ट्रीय कप्तान ने मानव तस्करी को रोकने का समर्थन करने वाली विभिन्न सामाजिक गतिविधियों पर जोर दिया और इसे रोकने के लिए जागरूकता की आवश्यकता पर बात की। उन्होंने कहा कि, यह बहुत जरूरी है कि हर घर में पारिवारिक माहौल सुरक्षित हो और हर लड़की की रक्षा हो और उसे बड़े सपने देखने का मौका दिया जाए। मीडिया पार्टनर मॉर्निंग इंडिया के उप संपादक श्री प्रवीण रमन, ने कहा की बहुत से लोग मानव तस्करी के शिकार होते है परंतु बहुत तो गिनती में भी नहीं आते और सोशल मीडिया के द्वारा मानव तस्करी और ठगी और भी ज्यादा आसान हो गई है। कार्यक्रम के बाद पैनल चर्चा हुई, जिसकी अध्यक्षता ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के कार्यक्रम प्रमुख, डॉ अनंत कुमार ने की।

राष्ट्रीय नवीन मेल Fri, 29 July 2022
rashtriyanaveenmail.epapr.in/c/69463288

PRESS - RASHTRIYA NAVEEN MAIL

मानव तस्करी में प्रौद्योगिकी का भी है प्रभाव : डॉ केरकेट्टा

एक्सआइएसएस में मानव तस्करी के खिलाफ राज्यस्तरीय सम्मलेन का हुआ आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) के रुरल मैनेजमेंट डिपार्टमेंट , सेव द चिल्ड्रन (एसटीसी) एवं मीडिया पार्टनर मॉर्निंग इंडिया के सहयोग से गुरुवार को मानव तस्करी के खिलाफ एक राज्य-स्तरीय सम्मलेन का आयोजन डॉ कामिल बुल्के पथ स्थित एक्सआईएसएस के सभागार में किया गया। बताते चलें कि प्रत्येक वर्ष 30 जुलाई, व्यक्तियों के तस्करी के खिलाफ एक विश्व दिवस के रूप में चिह्नित है, और इसी कार्यक्रम के अंतर्गत मानव तस्करी पीड़ितों की स्थिति के बारे में जागरूकता,सुरक्षा और उनकी अधिकारों के बारे में विभिन्न प्रख्यात वक्ताओं ने चर्चा की।

एक्सआईएसएस के असिस्टेंट डायरेक्ट डॉ फादर प्रदीप केरकेट्टा एसजे ने स्वागत भाषण किया। स्वागत संबोधन में डॉ केरकेट्टा एसजे ने मानव तस्करी के मुख्य कारकों के साथ-साथ इसमें प्रौद्योगिकी के प्रभाव के बारे विस्तृत जानकारी दी। कहा कि इसके इससे ग्रामीण और आंतरिक क्षेत्रों में मानव तस्करी करने वालों को मदद मिल रही है।

झारखंड में तस्करी जैसे विषय पर जोर देते हुए तथा बाल तस्करी पर चर्चा करते हुए महादेव हांसदा, सेव द चिल्ड्रेन ,ने मानव तस्करी को मानव अधिकारों का एक बड़ा उल्लंघन बताया । कहा कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और पूर्व राष्ट्रीय कप्तान असुंता लकड़ा, ने मानव तस्करी को रोकने का समर्थन करने वाली विभिन्न सामाजिक गतिविधियों पर जोर दिया और इसे रोकने के लिए जागरूकता की आवश्यकता पर बात की। कहा कि, यह बहुत जरूरी है कि हर घर में पारिवारिक माहौल सुरक्षित हो और हर लड़की की रक्षा हो। साथ ही उन्होंने कहा कि उसे बड़े सपने देखने का मौका दिया जाए। मीडिया पार्टनर मॉर्निंग इंडिया के उप संपादक प्रवीण रमन, ने कहा कि वैसे तो बहुत से लोग हैं, जो मानव तस्करी के शिकार होते है परंतु बहुत तो गिनती में भी नहीं आतेऔर सोशल मीडिया के द्वारा मानव तस्करी और ठगी और भी ज्यादा आसान हो गई है।

कार्यक्रम के बाद पैनल चर्चा हुई, जिसकी अध्यक्षता ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के कार्यक्रम प्रमुख, डॉ अनंत कुमार ने की। पैनलिस्ट डॉ राजश्री वर्मा, सहायक प्रोफेसर, ग्रामीण प्रबंधन, एक्सआईएसएस के साथ सुश्री निधि द्विवेदी, आईपीएस, एसपी, सीआईडी; सुश्री प्रीति श्रीवास्तव, बाल संरक्षण विशेषज्ञ, यूनिसेफ, झारखंड; श्री मधुकर, वरिष्ठ पत्रकार, डीडी भारती, और श्री प्रवीण रमन, उप संपादक, मॉर्निंग इंडिया शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान मानव तस्करी के सामाजिक, कानूनी और लैंगिक आयामों से संबंधित कई विषयों को भी शामिल किया गया। कार्यक्रम के दौरान, दोनों पहलुओं में प्रौद्योगिकी की भूमिका, तस्करी को बढ़ावा देने वाले पक्ष और इसे नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किए जा सकने वाले पक्षों पर विस्तार से चर्चा की गई। समापन सत्र का संचालन सुश्री सौमी हलदर, प्रबंधक-अभियान और संचार, सेव द चिल्ड्रन द्वारा किया गया।

PRESS - KHABAR MANTRA

XISS : मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय चर्चा

Social News Search • July 28, 2022

रांची : ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची के ग्रामीण प्रबंधन विभाग, सेव द चिल्ड्रन (बाल रक्षा भारत) एवं मीडिया पार्टनर मॉर्निंग इंडिया के सहयोग से "मानव तस्करी के खिलाफ एक राज्य-स्तरीय सम्मलेन का आयोजन एक्सआईएसएस में गुरुवार को किया गया.

प्रख्यात वक्ताओं ने पीड़ितों की स्थिति पर की चर्चा

प्रति वर्ष 30 जुलाई, व्यक्तियों के तस्करी के खिलाफ एक विश्व दिवस के रूप में चिह्नित है, और इसी कार्यक्रम के अंतर्गत मानव तस्करी पीड़ितों की स्थिति के बारे में जागरूकता, सुरक्षा और उनकी अधिकारों के बारे में विभिन्न प्रख्यात वक्ताओं ने चर्चा की.

PRESS - SOCIAL NEWS SEARCH

एक्सआईएसएस में राज्य-स्तरीय सम्मलेन का आयोजन

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची के ग्रामीण प्रबंधन विभाग, सेव द चिल्ड्रन (बाल रक्षा भारत) एवं मीडिया पार्टनर मॉर्निंग इंडिया के सहयोग से ₹मानव तस्करी के खिलाफ एक राज्य-स्तरीय सम्मलेन का आयोजन एक्सआईएसएस में गुरुवार को किया गया। बता दें की प्रति वर्ष 30 जुलाई, व्यक्तियों के तस्करी के खिलाफ एक विश्व दिवस के रूप में चिह्नित है, और इसी कार्यक्रम के अंतर्गत मानव तस्करी पीड़ितों की स्थिति के बारे में जागरूकता,सुरक्षा और उनकी अधिकारों के बारे में विभिन्न प्रख्यात वक्ताओं ने चर्चा की। स्वागत नोट डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस, रांची द्वारा संबोधित किया गया था जहाँ उन्होंने अवैध व्यापार के मुख्य कारकों के साथ-साथ तस्करी में प्रौद्योगिकी के प्रभाव के बारे में बात की, जिससे ग्रामीण और आंतरिक क्षेत्रों में अवैध व्यापार करने वालों को मदद मिल रही है।

PRESS - PUNCH